

5266

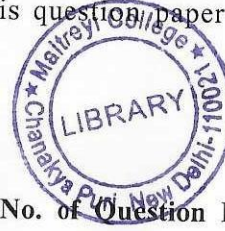
4

7. Examine the complementary relationship between theory and research. Substantiate with suitable examples.

सिद्धांत और अनुसंधान के बीच पूरक संबंध का परीक्षण करें। उपयुक्त उदाहरणों से पुष्टि कीजिए।

(1200)

[This question paper contains 4 printed pages.]



28.12.2023 (M)

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 5266

G

Unique Paper Code : 12301502

Name of the Paper : Sociological Research  
Methods – I

Name of the Course : B.A. (H)

Semester/Annual : V  
सेमेस्टर/वार्षिक

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Examine the view that social phenomena can be treated as things.

इस दृष्टिकोण का परीक्षण करें कि सामाजिक घटनाओं को वस्तुओं के रूप में माना जा सकता है।

2. Analyse the view that reflexive sociology is radical in nature.

इस दृष्टिकोण का विश्लेषण करें कि प्रतिवर्ती समाजशास्त्र प्रकृति में कट्टरपंथी है।

3. Discuss the significance of the comparative method in sociological research.

समाजशास्त्रीय अनुसंधान में तुलनात्मक पद्धति के महत्व पर चर्चा करें।

4. Compare quantitative and qualitative methods with the help of suitable examples.

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से मात्रात्मक और गुणात्मक तरीकों की तुलना करें।

5. Elaborate on the importance of ethics while conducting research.

शोध करते समय नैतिकता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालें।

6. Discuss the need for sociological imagination in understanding social reality.

सामाजिक वास्तविकता को समझने में समाजशास्त्रीय कल्पना की आवश्यकता पर चर्चा करें।